UPSC SYLLABUS

प्रारंभिक परीक्षा

प्रश्न पत्र - I	अंक : 200	समय	2 घंटे

1.	राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व की वर्तमान घटनाएं।
2.	भारत का इतिहास और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन।
3.	भारतीय और विश्व भूगोल- भारत और विश्व का भौतिक, सामाजिक, आर्थिक भूगोल।
4.	भारतीय राजनीति और शासन- संविधान, राजनीतिक प्रणाली, पंचायती राज, सार्वजनिक नीति, अधिकारों के मुद्दे, आदि।
5.	आर्थिक और सामाजिक विकास- सतत विकास, गरीबी, समावेश, जनसांख्यिकी, सामाजिक क्षेत्र की पहल, आदि।
6.	पर्यावरण पारिस्थितिकी, जैव-विविधता और जलवायु परिवर्तन पर सामान्य मुद्दे – जिनमें विषय विशेषज्ञता की आवश्यकता नहीं है।
7.	सामान्य विज्ञान।

प्रश्न पत्र - II	अंक : 200	समय	2 घंटे

1.	बोधगम्यता परीक्षण (comprehension);
2.	संचार कौशल सहित पारस्परिक कौशल;
3.	तार्किक तर्क और विश्लेषणात्मक क्षमता;
4.	निर्णय लेना और समस्या को हल करना;
5.	सामान्य मानसिक क्षमता;
6.	मूल संख्यात्मकता (संख्याएं और उनके संबंध, परिमाण का क्रम आदि) (कक्षा X स्तर),
7.	डेटा व्याख्या (चार्ट, ग्राफ़, तालिकाएँ, डेटा पर्याप्तता आदि – कक्षा X स्तर);

- **नोट 1:** सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा का पेपर -2 एक योग्यता (क्वालिफाइंग) पेपर होगा जिसमें न्यूनतम योग्यता अंक 33% निर्धारित होंगे।
- **नोट 2:** प्रश्न बहुविकल्पीय, वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।
- **नोट 3:** मूल्यांकन के उद्देश्य से उम्मीदवार को सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा के दोनों पेपरों में उपस्थित होना अनिवार्य है। इसलिए, एक उम्मीदवार को सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा के दोनों पेपरों में उपस्थित नहीं होने की स्थिति में अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

मुख्य परीक्षा

सामान्य अध्ययन - I	भारतीय विरासत और संस्कृति, विश्व का इतिहास एवं भूगोल तथा समाज।

	कला और संस्कृति
1.	भारतीय संस्कृति प्राचीन से आधुनिक समय तक कला रूपों, साहित्य और वास्तुकला के मुख्य पहलुओं को कवर करेगी।
	इतिहास
2.	अठारहवीं शताब्दी के मध्य से लेकर वर्तमान तक आधुनिक भारतीय इतिहास- महत्वपूर्ण घटनाएं, व्यक्तित्व, मुद्दे।
3.	स्वतंत्रता संग्राम - इसके विभिन्न चरण और देश के विभिन्न हिस्सों से महत्वपूर्ण योगदानकर्ता
4.	स्वतंत्रता के बाद देश के भीतर एकीकरण और पुनर्गठन।
5.	दुनिया के इतिहास में 18वीं सदी तथा बाद की घटनाएँ शामिल होंगी जैसे औद्योगिक क्रांति, विश्व युद्ध, राष्ट्रीय सीमाओं का पुनर्निर्धारण, उपनिवेशवाद, उपनिवेशवाद की समाप्ति, राजनीतिक दर्शन जैसे साम्यवाद, पूंजीवाद, समाजवाद आदि - उनके रूप और समाज पर प्रभाव।
	भारतीय समाज
6.	भारतीय समाज की मुख्य विशेषताएं, भारत की विविधता।
7.	महिलाओं की भूमिका और महिला संगठन, जनसंख्या और संबंधित मुद्दे, गरीबी और विकास के मुद्दे, शहरीकरण, उनकी समस्याएं और उनके उपचार।
8.	भारतीय समाज पर वैश्वीकरण का प्रभाव
9.	सामाजिक सशक्तिकरण, सांप्रदायिकता, क्षेत्रवाद और धर्मनिरपेक्षता।
	भूगोल
10.	विश्व के भौतिक भूगोल की मुख्य विशेषताएं।
11.	दुनिया भर में प्रमुख प्राकृतिक संसाधनों का वितरण (दक्षिण एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप सहित);
12.	दुनिया के विभिन्न हिस्सों (भारत सहित) में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र के उद्योगों के स्थान के लिए जिम्मेदार कारक।
13.	भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखीय गतिविधि, चक्रवात आदि जैसी महत्वपूर्ण भूभौतिकीय घटनाएं, भौगोलिक विशेषताएँ और उनके स्थान, अति महत्वपूर्ण भौगोलिक विशेषताओं (जल-स्रोत और हिमावरण सहित) और वनस्पतियों और जीवों में परिवर्तन और ऐसे परिवर्तनों के प्रभाव।

सामान्य अध्ययन - II	शासन व्यवस्था, संविधान, राजव्यवस्था, सामाजिक न्याय तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध।

	राजव्यवस्था और संविधान
1.	भारतीय संविधान - ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएं, संशोधन, महत्वपूर्ण प्रावधान और बुनियादी संरचना।
2.	संघ और राज्यों के कार्य और जिम्मेदारियां, संघीय ढांचे से संबंधित मुद्दे और चुनौतियां, स्थानीय स्तर तक शक्तियों और वित्त का हस्तांतरण और उसमें चुनौतियां।
3.	विभिन्न अंगों के बीच शक्तियों का पृथक्करण विवाद निवारण तंत्र और संस्थान।
4.	अन्य देशों के साथ भारतीय संवैधानिक योजना की तुलना।
5.	संसद और राज्य विधानमंडल - संरचना, कामकाज, कार्य संचालन, शक्तियां और विशेषाधिकार और इनसे उत्पन्न होने वाले मुद्दे।
6.	कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्यप्रणाली - सरकार के मंत्रालय और विभाग; दबाव समूह और औपचारिक / अनौपचारिक संघ और शासन प्रणाली में उनकी भूमिका।
7.	जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की मुख्य विशेषताएं
8.	विभिन्न संवैधानिक पदों पर नियुक्ति, विभिन्न संवैधानिक निकायों की शक्तियां, कार्य और जिम्मेदारियां।
9.	सांविधिक, विनियामक और विभिन्न अर्ध-न्यायिक निकाय।

	शासन
10.	विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके अभिकल्पन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।
11.	विकास प्रक्रियाएं और विकास उद्योग - गैर सरकारी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, विभिन्न समूहों और संघों, दाताओं, लोकोपकारी संस्थाओ, संस्थागत और अन्य हितधारकों की भूमिका।
12.	शासन, पारदर्शिता और जवाबदेही, ई-गवर्नेंस के महत्वपूर्ण पहलू- अनुप्रयोग, मॉडल, सफलताएं, सीमाएं और क्षमता; नागरिक चार्टर, पारदर्शिता और जवाबदेही और संस्थागत और अन्य उपाय।
13.	लोकतंत्र में सिविल सेवाओं की भूमिका।
	सामाजिक न्याय
14.	केंद्र और राज्यों द्वारा आबादी के कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं और इन योजनाओं का प्रदर्शन; इन कमजोर वर्गों के संरक्षण और बेहतरी के लिए गठित तंत्र, कानून, संस्थान और निकाय।
15.	स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।
16.	गरीबी और भूख से संबंधित मुद्दे।
	अंतर्राष्ट्रीय संबंध
17.	भारत और उसके पड़ोसी-संबंध।
18.	द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते जिसमें भारत शामिल है और/या भारत के हितों को प्रभावित करता है।
19.	विकसित और विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का भारत के हितों पर प्रभाव, भारतीय प्रवासी।
20.	महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, एजेंसियां और उनकी संरचना, जनादेश।

सामान्य अध्ययन - III	प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव विविधता, पर्यावरण, सुरक्षा और आपदा प्रबंधन भारतीय अर्थव्यवस्था

	भारतीय अर्थव्यवस्था
1.	भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधनों को जुटाने, प्रगति, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।
2.	समावेशी विकास और इससे उत्पन्न होने वाले मुद्दे।
3.	सरकारी बजट।
4.	देश के विभिन्न हिस्सों में प्रमुख फसल पैटर्न, - विभिन्न प्रकार की सिंचाई और सिंचाई प्रणाली, कृषि उपज का भंडारण, परिवहन और विपणन और मुद्दे और संबंधित बाधाएं; किसानों की सहायता के लिय ई-प्रौद्योगिकी।
5.	प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कृषि सब्सिडी और न्यूनतम समर्थन मूल्य से संबंधित मुद्दे; सार्वजनिक वितरण प्रणाली- उद्देश्य, कार्यप्रणाली, सीमाएं, सुधार; बफर स्टॉक और खाद्य सुरक्षा के मुद्दे; प्रौद्योगिकी मिशन; पशु पालन का अर्थशास्त्र।
6.	भारत में खाद्य प्रसंस्करण और संबंधित उद्योग- स्कोप और महत्व, स्थान, अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम आवश्यकताएं, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन।
7.	भारत में भूमि सुधार।
8.	अर्थव्यवस्था पर उदारीकरण के प्रभाव, औद्योगिक नीति में परिवर्तन और औद्योगिक विकास पर उनके प्रभाव।
9.	बुनियादी ढांचा: ऊर्जा, बंदरगाह, सड़कें, हवाई अड्डे, रेलवे आदि।
10.	निवेश मॉडल।
	विज्ञान और प्रौद्योगिकी
11.	विज्ञान और प्रौद्योगिकी- विकास और रोजमर्रा की जिंदगी में उनके अनुप्रयोग और प्रभाव।
12.	विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियां; प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण और नई तकनीक विकसित करना।
13.	आईटी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में जागरूकता।

पर्यावरण	
14.	संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण, पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन।
आपदा प्रबंधन	
15.	आपदा और आपदा प्रबंधन।
आंतरिक सुरक्षा	
16.	विकास और उग्रवाद के प्रसार के बीच संबंध।
17.	आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौतियां पैदा करने में बाहरी राज्य और गैर-राज्य अभिनेताओं की भूमिका।
18.	संचार नेटवर्क के माध्यम से आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौतियां, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों में मीडिया और सोशल नेटवर्किंग साइटों की भूमिका, साइबर सुरक्षा की मूल बातें; मनी लॉन्ड्रिंग और इसकी रोकथाम।
19.	सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियां और उनका प्रबंधन - आतंकवाद के साथ संगठित अपराध का संबंध।
20.	विभिन्न सुरक्षा बल और एजेंसियां और उनका जनादेश

सामान्य अध्ययन - IV	नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिवृत्ति

इस पेपर में सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और समाज से निपटने में उनके सामने आने वाले विभिन्न मुद्दों और संघर्षों के लिए उनके समस्या सुलझाने के दृष्टिकोण से संबंधित मुद्दों के लिए उम्मीदवारों के दृष्टिकोण और दृष्टिकोण का परीक्षण करने के लिए प्रश्न शामिल होंगे। प्रश्न इन पहलुओं को निर्धारित करने के लिए केस स्टडी दृष्टिकोण का उपयोग कर सकते हैं।

निम्नलिखित व्यापक क्षेत्रों को कवर किया जाएगा:

1.	**नैतिकता और मानवीय सह-संबंध-** मानव कार्यों में नैतिकता का सार, निर्धारक और परिणाम; नैतिकता के आयाम; नैतिकता - निजी और सार्वजनिक संबंधों में। मानव मूल्य - महान नेताओं, सुधारकों और प्रशासकों के जीवन और शिक्षाओं से सबक; मूल्यों को विकसित करने में परिवार समाज और शैक्षिक संस्थानों की भूमिका।
2.	**अभिवृति-** सामग्री, संरचना, कार्य; विचार और व्यवहार के साथ इसका प्रभाव और संबंध; नैतिक और राजनीतिक दृष्टिकोण; सामाजिक प्रभाव और अनुनय।
3.	**सिविल सेवा के लिए योग्यता और बुनियादी मूल्य-** अखंडता, निष्पक्षता और गैर-पक्षपात, निष्पक्षता, सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण, कमजोर वर्गों के प्रति सहानुभूति, सहिष्णुता और करुणा।
4.	**भावनात्मक समझ**- अवधारणाएं, और प्रशासन और शासन में उनकी उपयोगिताओं और अनुप्रयोग।
5.	भारत और दुनिया के नैतिक विचारकों और दार्शनिकों का योगदान।
6.	**लोक प्रशासन में सार्वजनिक / सिविल सेवा मूल्य और नैतिकता-** स्थिति और समस्याएं; सरकारी और निजी संस्थानों में नैतिक चिंताएं और दुविधाएं; नैतिक मार्गदर्शन के सोतों के रूप में कानून, नियम, विनियम और विवेक; जवाबदेही और नैतिक शासन; शासन में नैतिक और नैतिक मूल्यों को मजबूत करना; अंतर्राष्ट्रीय संबंधों और वित्त पोषण में नैतिक मुद्दे; कॉर्पोरेट प्रशासन।
7.	**शासन में ईमानदारी:** सार्वजनिक सेवा की अवधारणा; शासन और ईमानदारी का दार्शनिक आधार; सरकार में सूचना साझा करना और पारदर्शिता, सूचना का अधिकार, आचार संहिता, नागरिक चार्टर, कार्य संस्कृति, सेवा वितरण की गुणवत्ता, सार्वजनिक धन का उपयोग, भ्रष्टाचार की चुनौतियां।
8.	**उपरोक्त मुद्दों पर केस स्टडी।**